28.09.2018

कुछ लोग भारत की धर्मनिरपेक्षता को बदनाम कर रहे: वेंकैया

लोकमंथन

रांची | हिन्दुस्तान ब्यूरो

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर इशारों में तंज कसा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग विदेशों में भारत की धर्मनिरपेक्षता और सहिष्णुता को बदनाम करते हैं। उन्हें जानना चाहिए कि सेक्यूलरिज्म तो भारत के लोगों के डीएनए में है। यह संविधान के साथ ही हिंदू संस्कृति के कारण भी है।

उपराष्ट्रपति खेलगांव में आयोजित चार दिवसीय लोकमंथन समारोह के उदघाटन मौके पर बोल रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कांग्रेस नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जनादेश को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो लोकतांत्रिक नहीं हैं। कुछ खास किस्म के लोग ह... हिष्णुता भी सिखाते हैं। उन्हें बताना चाहता हूं कि सहिष्णुता तो हमारी संस्कृति का हिस्सा है। शेयर और केयर तो भारतीय दर्शन का आधार है।

खेलगांव में गुरुवार को आयोजित लोकमंथन कार्यक्रम में स्मारिका का लोकार्पण करते उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, मुख्यमंत्री रघुवर दास, राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू व अन्य।

पांच मंत्र को अपनाने की दी नसीहत

उपराष्ट्रपति ने माता, मातृभूमि, मातृभाषा, संस्कृति और गुरु के सम्मान के पांच मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि आईटी, ब्यूटी, ड्यूटी और माईटी से लैस होने पर भी इन्हें नहीं भूले। उपराष्ट्रपति ने कहा कि गूगल गुरु नहीं हो सकता है। ज्ञान परंपरा से ही मिलेगा।

दुनिया देखे झारखंड का वैभव: उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकमंथन में लगी प्रदर्शनी झारखंड के वैभव को दिखा रही है। दुनिया देखेगी कि कैसे हमारे सुदूर गांवों में रहने वालों ने भी संस्कृति को सहेजा है।

उपराष्ट्रपति को भाया तस्वीरों में भारत दर्शन

खेलगांव में भारत दर्शन प्रदर्शनी देखने उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू पहुंचे। तस्वीरों के जरिए भारत दर्शन की उपराष्ट्रपति ने जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत को देखने समझने के लिए झारखंड के लोग चित्र प्रदर्शनी को जरूर देखें। उपराष्ट्रपति ने भारत दर्शन प्रदर्शनी देखकर निकलने के दौरान विजिटर्स बुक में प्रदर्शनी की तारीफ में संदेश भी लिखा। इसमें चुनौतियां एवं देशज समाधान, गौरवशाली इतिहास आदि को प्रदर्शित किया गया है।

क्या है प्रदर्शनी में

भारत दर्शन प्रदर्शनी में देश के गौरव, स्वतंत्रता सेनानियों, झारखंड के शहीदों, वीरों की जीवनी को तस्वीरों के जरिए बताया गया है। झारखंड के वैभवशाली इतिहास को लेकर भी प्रदर्शनी लगायी गई है।

खेलगांव में शुरू हुए चार दिवसीय लोकमंथन कार्यक्रम के पहले दिन गुरुवार को बड़ी संख्या में लोगों ने भागीदारी निभायी।